Second year Higher secondary Model Examination, February 2023
(Unofficial Answer Key)
Subject: HINDI
(Prepared by SHAJI.S, Govt.HSS Nedungolam, Kollam)

(1)हिमांशु जोशी

(2) मन - दीवार पर

(3) भाषण

(4) शेषफन

(5) मुरकी उर्फ़ बुलाकी

(6) कवि के पास एक आदमी आकर खड़ा हो गया।

(7) आदमी के रूप में पहचानने से पहले कवि कुली के दस कदम पीछे चलता था। कवि कुली को तुच्छ मानता था।

(8) आस्वादन टिप्पणी:

कवि परिचय दिया है।

कवितांश का विश्लेषण करके आशय लिखा है।

अपने मत का समर्थन किया है।

(9) लेखक ने भाषा के बारे में बताया है कि भाषा भावों की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम होती है।

(10) मातृभूमि की मिट्टी से कवि का बचपन जुड़ा है। मिट्टी में लोट लोट कर कवि बडे हुए हैं।

(11) मज़दूरिन की नींद टूटी। उसके सपने में बैंक की नोटिस आ धमकी।

(12) जीवन-वृत्त के आधार पर अनुच्छेद लेखन :

डॉ. जे. बाबु

डॉ. जे. बाबु हिंदीतर प्रदेश के प्रमुख हिंदी साहित्यकार है। उनका जन्म 1952 को केरल के तिरुवनंतपुरम में हुआ। उन्होंने अपनी रचनाओं से हिंदी साहित्य को संपन्न किया। मुक्तधारा, उलझन, उलाहना आदि उनकी प्रमुख रचनाएँ हैं । अखिल भारतीय कहानी पुरस्कार, हिंदीतर भाषी लेखक पुरस्कार आदि से वे सम्मानित हुए। वे एक प्रतिभावान साहित्यकार हैं।

(13) हाइकू का भावार्थ :

डॉ. भगवत शरण अग्रवाल हिंदी के प्रमुख हाइकू साहित्यकार है। "इंद्रधनुष " अनका हाइकू संग्रह है।

प्रस्तुत हाइकू में वे कहते हैं कि वेदना मन को पवित्र बनाती ह ै। वेदना के कारण सुख का महत्व बढ़ता है। जिनको वेदना का अहसास नहीं हुआ है उनके सामने आँसू का कोई मूल्य नहीं होता है। उनके सामने आँसू ओस के समान है।

(14) राजवंती के चरित्र पर टिप्पणी:

राजवंती माँ "मुरकी उर्फ

बुलाकी" कहानी का प्रमुख पात्र है। उनके इन कथनों से पता चलता है कि वे एक आदर्श नारी है। वे मुरकी को अपनी बेटी के समान प्यार करती थी। वे मुरकी को प्यार से मुरकी बुलाती थी कभी बुला की। निराश्रय मुरकी को आश्रय भी दिया। उनके हृदय दया, क्षमा, ममता, करुणा, प्यार एवं वात्सल्य से भरे हुए थे।

(15) टिप्पणी: दोस्ती

दोस्ती जीवन की अमूल्य संपत्ति है। दोस्ती प्यार का दूसरा रूप है। दोस्ती जीवन के लिए ज़रुरी होती है। सच्चा दोस्त एक मार्गदर्शक है। सच्चे दोस्त हमारे सुख-दुख में, हार - जीत में हमारे साथ होंगे। दोस्ती जीवन को रोमांचकारी बनाती है।

(16) इतिहास के आरंभ के साथ ही भारत ने अपनी अंतहीन खोज प्रारंभ की।

(17) संक्षेपण :

मुख्य आशय का चयन किया है।

अनावश्यक विस्तार को छोडा है।

संक्षिप्तता है।

उचित शीर्षक दिया है।

(18) सूरदास के पद का भावार्थ :

सूरदास के बारे में लिखा है।

पद का आशय ग्रहण किया है।

पद का आशय सरल भाषा में लिखा है।

अपना मत प्रकट किया है।

(19 बातचीत (वार्तालाप):

(बादशाह और बेटे के बीच)

विषयवस्तु का सही चयन किया है।

बातचीत की शैली अपनाई है।

कल्पना है।

स्वाभाविक भाषा का प्रयोग किया है।

(20) पोस्टर :

आशय ग्रहण किया है।

उचित शब्द या वाक्यांश का प्रयोग ।

पोस्टर की शैली अपनाई है।

आकर्षक बनाया है।

(21) पत्र लेखन :

(स्कूटरवाले के बारे में मित्र के नाम लेखिका का पत्र)

सही शुरूआत है।

पारिवारिक पत्र की रूपरेखा है।

पत्र की भाषा शैली है।

संकेतों को विकसित किया है।

(22) हिंदी में अनुवाद:

हम अपने अभिभावक से प्रेम और आदर करते हैं। उसी तरह हमें अपने देश से प्रेमऔर आदर करना चाहिए। हमारी मातृभूमि से प्रेम करने के कई कारण हैं। देश हमारे अभिभावक

की तरह हमारा ख्याल रखते हैं।

(23) सही मिलानः

Affidavit - शपथ -पत्र

Bacteria - जीवाणु

Copyright - सर्वाधिकार

Energy - ऊर्जा

Humanities - मानविकी

Radiation - विकिरण

Satellite - उपग्रह

Ultraviolet - पराबैंगनी

(24) केश तेल का विज्ञापन:

विषय की सही पहचान।

उचित शब्द या वाक्यांश का प्रयोग।

विज्ञापन की शैली अपनाई है।

आकर्षक बनाया है।

(25) मुरकी की डायरी :

डायरी की रूपरेखा।

अनुभवों को क्रमबद्ध किया है।

आत्मनिष्ठ भाषा का प्रयोग किया है।

डायरी आकर्षक बनाया है।

(26) लेखक का आत्मकथांश :

शीर्षक दिया है।

अनुभवों को क्रमबद्ध किया है।

संकेतों को विकसित किया है।

आत्मकथा की शैली अपनाई है।